राज्य सरकार की सतर्कता से लम्पी रोग पर स्थिति नियंत्रण में- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिरोधक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

जयपुर, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सावधानी और सतर्कता ही पशुओं में लम्पी रोग से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लम्पी रोग के प्रति पूरी तरह सजग एवं सतर्क है तथा सरकार द्वारा समयबद्ध रूप से की गई तैयारियों के फलस्वरूप स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार के उपायों की जानकारी देने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाए, ताकि पशुपालक पैनिक में न आएं और समय पर आवश्यक सावधानियां बरतें।

- पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बताया कि प्रदेश में 10,403 पशु लम्पी रोग से संक्रमित पाए गए थे, जिनमें से 6,905 रिकवर हो चुके हैं। प्रदेश में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्पी स्किन रोग की स्थिति एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्पी स्किन रोग की स्थिति एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में टीकाकरण अभियान को और तेज करने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में रोग प्रतिरोधक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, गोशालाओं एवं अन्य स्थानों पर संक्रमित पशुओं को आइसोलेट करने तथा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाए।

बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में लम्पी रोग से 10 हजार 403 संक्रमित पशु पाये गए हैं। इनमें से 6 हजार 905 पशुओं की रिकवरी हो चुकी है तथा रिकवरी में वृद्धि हो रही है। साथ ही, प्रदेशभर में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है।

इस दौरान, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन एवं गोपालन विकास सीतारामजी भाले सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

स्कॉर्पियो से कांस्टेबल को टक्कर मार कर चालक फरार

जयपुर, 10 सितम्बर (कासं)। मानसरोवर इलाके में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को ब्लैक शीशों वाली स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर चालक के फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी ने गाड़ी के काले शीशे देखकर उसे रोकने का इशारा किया था। इस पर चालक ने रफ्तार बढ़ा दी और ओवरस्पीड में गाड़ी दौड़ाते हुए कांस्टेबल को टक्कर मार दी। हादसे में कांस्टेबल सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी के नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- वाहन पर काले शीशे देख कांस्टेबल ने रोकने का प्रयास किया, पर चालक रफ्तार बढ़ाकर टक्कर मार के फरार हो गया।

हेड कांस्टेबल घासीराम ने बताया कि जयपुर ट्रैफिक पुलिस दक्षिण में तैनात एएसआई महेश कुमार (53) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। घटना 8 सितंबर की सुबह करीब 10.15 बजे की है। उस दिन सुबह करीब 8 बजे से एएसआई महेश कुमार और कांस्टेबल बलदेव की ड्यूटी गंगा-जमुना से वेस्टर्न हाईवे तक लगाई गई थी। दोनों पुलिसकर्मी अपने बीट क्षेत्र में स्थित किसान धर्मकांटा पर ड्यूटी कर रहे थे।

इसी दौरान करीब 10.15 बजे बदरवास की तरफ से ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो आई। गाड़ी के शीशे काले देखकर कांस्टेबल बलदेव ने उसे रुकने का इशारा किया। आरोप है कि चालक ने रुकने के बजाय स्कॉर्पियो की रफ्तार बढ़ा दी और तेज गति से कांस्टेबल की तरफ गाड़ी दौड़ा दी। इसी दौरान स्कॉर्पियो की टक्कर लगने से कांस्टेबल बलदेव सड़क पर गिर गया और घायल हो गया।

अब माल्या भी कॉकरोच पार्टी जॉइन करना चाहते हैं

उन्होंने कहा, मेरे साथ हो रहे अन्यायों को देखते हुए मुझे लगता है मुझे भी कॉकरोच बन जाना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। भगोड़े बिज़नैसमैन विजय माल्या, जो कई बैंकों द्वारा तत्कालीन किंगफिशर एयरलाइंस (केएफए) को दिए गए 9,000 करोड़ रुपये के कर्ज की अदायगी न होने के मामले में भारत में वांछित हैं, सोच रहे हैं कि क्या उन्हें कॉकरोच बन जाना चाहिए। उनका दावा है कि भारत सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है और ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे विदेश में रह रहे हैं।

- उन्होंने हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें लगातार अन्याय का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, "मेरे साथ हुए और अब भी हो रहे सभी अन्यायों को देखते हुए, मैं सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की बेहतर जिंदगी हो।" उन्होंने हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें लगातार अन्याय का सामना करना पड़ रहा है।

अपने खिलाफ चल रहे केसों का जिक्र करते हुए माल्या ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने बंबई हाई कोर्ट में दिये गये एक हलफनामे में स्वीकार किया है कि उसने उनसे 14,000 करोड़ रुपये वसूल किए और वह रकम उन बैंकों को दे दी, जिनका पैसा माल्या पर बकाया था।

उन्होंने आरोप लगाया, "और मैं फिर कहना चाहता हूं कि अदालत में सबसे अधिक भयभीत कर देने वाली आपराधिक जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर हलफनामे में पुष्टि की गई है कि उसने 2021 में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम बैंकों को सौंप दी थी। अगर आपको मुझ पर भरोसा नहीं है तो मेरी बात भूल जाइए। इस पर ध्यान दीजिए कि प्रवर्तन निदेशालय ने क्या कहा है।

मंगलवार को अपनी पिछली पोस्ट में माल्या ने दावा किया था कि वे भगोड़े नहीं हैं और ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया ने उन्हें भारत आने से रोक रखा है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए माल्या ने कहा कि बैंकों को बकाया पैसा लौटाने का मामला उनके भारत में शारीरिक रूप से मौजूद होने से जुड़ा नहीं है।

'आपको गाड़ी चलाना नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेइशेकीव, अखरोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई के लिए बातचीत करने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है। ये लोग सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों में शामिल थे।

डीएचएस की एक अन्य पोस्ट में ट्रांसफॉर्मर्स श्रृंखला के मुख्य नायक ऑप्टिमस प्राइम को डीएचएस का पहचान चिह्न लगाए हुए और दाढ़ी वाले व्यक्ति का सामना करते हुए दिखाया गया है। उसके साथ संदेश लिखा है: "खुद देश छोड़ो या फिर परिणाम भुगतो।"

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "'सिंह' हिंदू हैं, वे सिख हैं, वे अमेरिकी हैं और वे गाड़ी चलाते हैं। डीएचएस की तरफ से नस्लवादी, गैर अमेरिकी और भारत विरोधी प्रोफाइलिंग /ट्रोलिंग हमारे देश की सामूहिक अन्तरात्मा को झकझोर देने वाली है।"

आपत्तिजनक पोस्टर का संज्ञान लेते हुए भाजपा ने तुरंत कड़ा विरोध जताया और कहा कि कई मेहनती और प्रतिभाशाली सिखों ने अपने कौशल और दृढ़ता से अमेरिका को समृद्ध किया है।

भाजपा ने अपने सिख प्रवक्ता आर. पी. सिंह को आगे किया। उन्होंने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को लिखे एक बयान में अमेरिकी सरकार के आधिकारिक निर्वासन अभियान में सिख पहचान और "सिंह" सरनेम का इस्तेमाल मजाक उड़ाने वाले तरीके के रूप में किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई।

सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा, "सिख केवल ट्रक चलाने के लिए अमेरिका नहीं आए थे। हम वैज्ञानिकों, किसानों, उद्यमियों, सैनिकों, सरकारी कर्मचारियों और राष्ट्र-निर्माताओं के रूप में यहां आए। एक सदी से भी अधिक समय से सिखों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, वैज्ञानिक प्रगति, कृषि, सशस्त्र बलों और सार्वजनिक जीवन में योगदान दिया है।"

एक्स पर गोर को टैग करते हुए सिंह ने अमेरिकी राजदूत से आग्रह किया कि वे भारत और दुनिया भर के सिख समुदाय की इन कड़ी भावनाओं को वाशिंगटन में संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आता है। भारत राष्ट्रीय मुद्राओं के अधिक इस्तेमाल और अधिक मजबूत सीमा-पार भुगतान प्रणालियों का समर्थन करता है, लेकिन ब्रिक्स को स्पष्ट रूप से अमेरिका-विरोधी या डॉलर-विरोधी गुट में बदलने का समर्थन करने की संभावना नहीं है। नई दिल्ली का पसंदीदा दृष्टिकोण व्यावहारिक है: अधिक विकल्प तैयार करना, लेकिन रणनीतिक लचीलापन बनाए रखना।

भू-राजनीति पर आम सहमति बनाना एक बड़ी चुनौती होगी। ईरान के खिलाफ जारी अमेरिका-इज़रायल युद्ध ने ब्रिक्स पर भारी दबाव डाल दिया है। ईरान इसका सदस्य है, जबकि एक अन्य सदस्य, संयुक्त अरब अमीरात के अपने हित और सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। इस संघर्ष ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल की सप्लाई को भी बाधित किया है और कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी है। पश्चिम एशिया को लेकर मतभेदों के कारण एक मजबूत संयुक्त घोषणा पर सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है।

भारत का रूख बड़े भू-राजनीतिक बयानों से हटकर व्यावहारिक सहयोग की ओर बढ़ने वाला हो सकता है। उसकी प्राथमिकताओं में ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं, व्यापार और निवेश, सीमा-पार भुगतान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य तथा आपदाओं से निपटने की क्षमता शामिल हैं। ऐसा एजेंडा भारत के उस प्रयास के अनुरूप है, जिसमें वह ब्रिक्स को केवल पश्चिम के मुकाबले एक गुट के बजाय, विकास के लिए एक प्रभावी मंच बनाना चाहता है।

यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स इतना विविधतापूर्ण समूह है कि वह पारंपरिक गठबंधन नहीं बन सकता। चीन और भारत के हित आपस में टकराते हैं, रूस और चीन की अपनी रणनीतिक गणनाएं हैं, पश्चिम एशिया के सदस्य देशों की सुरक्षा प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं, जबकि ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका के नज़रिए अलग-अलग हैं। इसकी ताकत ही विविधता में है, बशर्ते यह विविधता सामूहिक कार्रवाही को असंभव न बना दे।

भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन यह दिखाने का अवसर है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ निष्क्रिय तटस्थता नहीं है। इसका मतलब है कि भारत अपने हितों को आगे बढ़ाते हुए वॉशिंगटन, मॉस्को, बीजिंग और व्यापक ग्लोबल साउथ के साथ एक ही समय में जुड़ा रहे।

इसलिए सफलता का असली पैमाना बहुध्रुवीय दुनिया की बयानबाजी नहीं होगा। यह इस बात से तय होगा कि क्या नई दिल्ली भू-राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, बढ़े हुए समूह को एकजुट रखते हुए व्यापार, भुगतान, ऊर्जा और विकास के मामलों में ठोस नतीजे दे पाती है।

अगर भारत सफल होता है, तो नई दिल्ली शिखर सम्मेलन ब्रिक्स को "ग्लोबल साउथ" की एक अधिक विश्वसनीय आवाज के रूप में स्थापित कर सकता है और उभरती विश्व व्यवस्था में मुख्य "सेतु-निर्माताओं" में से एक के रूप में भारत के दावे को मजबूत कर सकता है।

सवाई माधोपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान सवाई माधोपुर कलेक्टर की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर स्थानीय निकाय चुनाव का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट चाही गई। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि अदालत की ओर से 5 मार्च, 2025 को दिए आदेश के खिलाफ खंडपीठ में अपील दायर की गई है। ऐसे में मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर को रखी जाए। इस पर अदालत ने कलेक्टर की ओर से पेश प्रार्थना को स्वीकार करते हुए कहा कि यदि आगामी सुनवाई तक अदालती आदेश की पालना नहीं की जाती है तो वे व्यक्तिगत रूप से पेश होकर इस संबंध में जवाब देंगे।

अंततोगत्वा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2608261200000 नंबर वाले आवेदन को, सात दिन की अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी होने के बाद, इलेक्टोरल रजिरट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) ने मंजूरी दे दी।"

दस दिन में प्रशासन "खड़े हनुमान जी" की मूर्ति को हिला नहीं पाया

सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने के लिए इस मूर्ति को स्थानांतरित किया जा रहा था

उज्जैन, 10 सितंबर। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में आस्था, इतिहास और आधुनिक तकनीक आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। कंठाल चौराहे और छतरी चौक के बीच स्थित प्राचीन 'खड़े हनुमान जी' की प्रतिमा को सड़क चौड़ीकरण के लिए स्थानांतरित करने के प्रशासनिक प्रयासों को दस दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली।

- स्थानीय लोग इस मूर्ति को 120 वर्ष पुरानी मानते हैं, पर, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को देखते हुए इसके इतिहास को और पुराना माना जाता है।

दरअसल, प्रतिमा को हटाने के लिए क्रेन, पोकलेन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। कई प्रयासों के दौरान मशीनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा और जंजीरों के टूटने की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बाद प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों और पुरातत्व विशेषज्ञों की राय को महत्व दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ के मद्देनजर, शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर काम चल रहा है। इसी क्रम में कंठाल क्षेत्र के इस प्राचीन मंदिर को भी मार्ग विस्तार के दायरे में लिया गया। मंदिर के बाहरी हिस्से को हटाने के बाद जब प्रतिमा को स्थानांतरित करने की कोशिश शुरू हुई तो अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। इसके बाद अधिक क्षमता वाली मशीनें और पोकलेन भी मौके पर पहुंचाई गईं। प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से उठाने के लिए जंजीरों और अन्य उपकरणों का सहारा लिया गया, पर प्रयास सफल नहीं हुए। प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कई दौर के प्रयासों के बाद, अब प्रतिमा पर अत्यधिक यांत्रिक बल लगाने से बचा जा रहा है।

खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को स्थानीय स्तर पर लंबे समय से करीब 170 वर्ष पुराना माना जाता रहा है। हालांकि, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को लेकर प्रारम्भिक चर्चाओं ने इसके इतिहास को और पुराना होने की संभावना सामने रखी है। कुछ इतिहासकार इसे परमार काल से जोड़ते हैं और लगभग एक हजार वर्ष पुराना होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसी कारण अब इस स्थल को महज एक धार्मिक स्थान के बजाय, संभावित ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले स्थल के रूप में भी देखा जा रहा है।

दूसरी ओर जमीन के भीतर प्रतिमा के आधार और संरचना की स्थिति जानने के लिए आधुनिक तकनीक, जिसमें थ्रीडी स्कैनिंग जैसी तकनीकों का उपयोग शामिल है, पर विचार किया जा रहा है। वहीं, प्रतिमा को हटाने के प्रयासों की जानकारी सामने आने के बाद कंठाल क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के साथ दूसरे शहरों से भी श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने का क्रम लगातार जारी है।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरिए बाहर के लोगों से बातचीत कर रहा था। जेल प्रहरी विष्णु (27) की रिपोर्ट पर लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया है। जब्त मोबाइल भी पुलिस को सौंप दिया गया है।

मोबाइल जेल के अंदर कैसे पहुंचा और इसे बलजीत यादव तक किसने पहुंचाया, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस टीम जेल में बंद पूर्व विधायक से पूछताछ कर मोबाइल उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाएगी। साथ ही जेल में रहते हुए उन्होंने किन-किन लोगों से मोबाइल के जरिए संपर्क किया, इसकी जानकारी के लिए मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी निकलवाई जाएगी।

'मैं इन दिनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन राजा वड़िंग के खिलाफ उनकी नाराजगी अभी भी बनी हुई है।

समय कम है, लेकिन पायलट सबकी बातें सुन रहे हैं और स्थिति पर नजर भी रख रहे हैं। वे पार्टी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें यह संदेश दे रहे हैं कि अगर वे सत्ता में वापसी के लिए काम नहीं करते हैं, तो सीबीआई, ईडी और अन्य एजेंसियाँ उनके पीछे पड़ जाएंगी, जिससे उनके लिए राजनीतिक रूप से टिके रहना मुश्किल हो जाएगा।

वे उम्मीद कर रहे हैं कि वे नेताओं और उनके मुद्दों के बीच सेतु की भूमिका निभाएंगे और उनकी बातें सुनकर, पार्टी और एक-दूसरे की मदद करने में उनकी सहायता करेंगे। और किसी एक चेहरे को आगे नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव में आगे बढ़ना चाहती है।

एक बार फिर मायावती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

9.39 प्रतिशत रह गया और पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें बसपा के व्यापक सामाजिक गठजोड़ का कमजोर होना, खासकर गैर-जाटव दलितों और ब्राह्मणों का पार्टी से दूर होना, भाजपा की सफल कल्याणकारी योजनाएं और हिंदू एकजुटता, जिससे गैर-जाटव दलित भाजपा की ओर गए, संगठन का कमजोर होना, मायावती के आसपास नेतृत्व का अत्यधिक केन्द्रीकरण और बार-बार होने वाले आंतरिक विवाद शामिल हैं। इन सबने पार्टी की अस्थिरता की छवि को मजबूत किया है।

विरोधी पार्टियाँ बसपा के बचे हुए जनाधार को तेजी से अपने पक्ष में करने के लिए आक्रामक तरीके से प्रयास कर रही हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने छात्र संगठन के लिए नीले स्कार्फ और नीली टी-शर्ट-जीन्स वाली यूनीफॉर्म अपनाई है, क्योंकि नीला रंग लंबे समय से अंबेडकरवादी और दलित अस्मिता से जुड़ा रहा है। सपा इसे अपनी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) रणनीति और दलित युवाओं तक पहुंच बनाने के प्रयास से जोड़ रही है। कांग्रेस ने "संविधान बचाओ" अभियानों और नीले रंग के प्रतीकात्मक इस्तेमाल के जरिए दलितों तक अपनी पहुंच तेज की है। वहीं, भाजपा, कल्याणकारी योजनाओं के जरिए सबको साथ लाने, संगठन में दलितों को प्रतिनिधित्व और व्यापक हिंदू सोशल इंजीनियरिंग के जरिए गैर-जाटव दलितों के समर्थन को बनाए रखने और बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए ऐसा लगता है कि दलित राजनीति बसपा के नेतृत्व में एकजुट होने के बजाय, बँटी रहेगी। पार्टी में जारी अंदरूनी विवाद और संगठन की घटती मौजूदगी के कारण, उसका बड़ा पुनरुत्थान मुश्किल दिखाई देता है। उसका मुख्य जाटव आधार कुछ हद तक उसके साथ बना रह सकता है, लेकिन इसके महत्वपूर्ण हिस्से सपा के पीडीए मंच या भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं और पहचान आधारित राजनीति की ओर खिसकते रहेंगे। छोटे अंबेडकरवादी संगठन भी बसपा के बचे हुए जनाधार में सेंध लगा सकते हैं। इसका कुल प्रभाव यह हो सकता है कि चुनाव में कई दलों के बीच अधिक कड़ा मुकाबला हो, जिसमें बसपा का बचा हुआ वोट निर्णायक ताकत बनने के बजाय, किसी एक दल के वोट काटने वाली ताकत के रूप में काम करे। इससे ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में केवल दलितों को एकजुट रखने की बसपा की दीर्घकालिक चुनौती भी सामने आती है।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गवाह कहा है कि अभियुक्त के जेल जाने के बाद उसने यह मकान पीड़िता की मां से मौखिक रूप से खरीद लिया है। अदालत ने कहा कि यदि पीड़िता की मां का ऐसा आशय होता तो वह पहले की उक्त मकान को इस गवाह को बेच देती। अभियुक्त ने अपनी इच्छा से ही इस मकान को पीड़िता की मां के नाम खरीदा था।

पीड़िता ने बताया कि जब वह दस साल की थी, अभियुक्त तब से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है। इसके कुछ दिनों बाद अभियुक्त पीड़िता को तीन लाख रुपए में बेचने को भी तैयार हो गया। रिपोर्ट पर कार्रवाही करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

अमेरिका का आंकलन है कि भारत के पास 190 परमाणु बम हैं

यह भी माना गया है कि भारत अपने परमाणु हथियारों को लगातार आधुनिक बनाने में जुटा हुआ है

वॉशिंगटन, 10 सितंबर। भारत के परमाणु जखीरे में 190 हथियार होने का अनुमान है, जिनमें वर्तमान में निर्मित की जा रही नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त परमाणु हथियार भी शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने भारत के परमाणु हथियारों पर जारी नई रिपोर्ट में यह दावा किया है। ये दावा ओपन सोर्स, सरकारी डेटा और कमर्शियल सैटेलाइट्स से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर किया गया है। वहीं, हाल ही में साल 2026 में दुनिया में परमाणु बमों की संख्या का ताजा आंकड़ा भी सामने आया है।

- फैडरेशन ऑफ अमेरिकन साइन्टिस्ट्स के अनुसार इस बात की संभावना कम है कि भारत ने अपने सारे प्लूटोनियम का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया हो। हो सकता है कुछ हिस्सा रिज़र्व में रखा गया हो।

एफएएस के मुताबिक, भारत के पास अभी 9 परमाणु क्षमता वाले सिस्टम ऑपरेशनल हैं। इनमें 2 विमान, 6 जमीन से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और 1 समुद्र से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल हैं। कम से कम 2 और सिस्टम लगभग तैयार हैं। बुधवार को एक आर्टिकल में बताया गया है कि भारत अपने परमाणु हथियार के जखीरे को आधुनिक बनाने का काम जारी रखे हुए है। हाल के वर्षों में कई नई हथियार प्रणाली तैनात की गई हैं और कई अन्य प्रणाली विकसित की जा रही हैं, ताकि परमाणु हथियार से लैस किए जा सकने वाले मौजूदा विमानों, सतह से मार करने वाली मिसाइल और समुद्र-आधारित प्रणाली को बेहतर बनाया जा सके, या उनकी जगह नई प्रणाली लाई जा सके।

इसमें कहा गया है, हमारा अनुमान है कि भारत ने 140 से लेकर 225 परमाणु हथियार तक के लिए पर्याप्त सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन किया होगा और 190 तक तैयार कर लिए होंगे। कई और हथियार प्रणालियों के विकास के साथ, देश के (परमाणु) हथियार जखीरे में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसमें कहा गया है, हथियार के डिजाइन चाहे जैसे भी हों, इस बात की संभावना कम है कि भारत ने अपने सारे प्लूटोनियम का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया हो। हो सकता है कि उसने कुछ हिस्सा रिजर्व में रखा हो। आर्टिकल में यह भी कहा गया है कि भारत के परमाणु हथियार के जखीरे का आकार उन लॉन्चर की संख्या और प्रकार पर भी निर्भर करता है जो उन्हें ले जा सकते हैं, क्योंकि इस बात की संभावना कम है कि वह इन प्रणालियों की क्षमता से कहीं ज्यादा परमाणु हथियार बनाएगा।

सतीश पूनिया भाजपा एसटी मोर्चा के प्रभारी बने

नई दिल्ली, 10 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सात प्रमुख मोर्चों के नए प्रभारी नियुक्त किए हैं।

महासचिव हरीश द्विवेदी को भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी को भाजपा महिला मोर्चा, राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया को अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा, महासचिव संजय भाटिया को अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा तथा गजेन्द्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

भाजपा के मुताबिक, इन नियुक्तियों से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच पार्टी की पहुंच को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

ट्रंप की घोषणा: मिडटर्म चुनाव जीते तो हर अमेरिकी को 5 हजार डॉलर देंगे

सिनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में बहुमत बनाये रखने के लिये ट्रंप ने यह घोषणा की

वॉशिंगटन, 10 सितंबर। ईरान से जंग के बीच अमेरिका में मिडटर्म इलेक्शन (मध्यावधि चुनाव) होने जा रहे हैं। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को जीत हासिल करवाने के लिए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी को जिताने पर हर अमेरिकी वयस्क को पांच हजार डॉलर मिलेंगे, यानी भारतीय करेंसी की बात करें तो करीब 5 लाख रुपये हर अमेरिकी व्यस्क नागरिक को दिए जाएंगे। ट्रंप ने इसे ट्रंप डिविडेंड नाम दिया है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट, अमेरिका के मिडटर्म इलेक्शन के बाद ही होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अगर 2026 में रिपब्लिकन पार्टी सीनेट और हाउस पर अपना कब्जा बनाए रखती है, तो वे हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5000 डॉलर का डिविडेंड देंगे। ट्रंप ने कहा कि ये रकम अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दी जाएगी। ट्रंप ने डैलस में आरएनसी मिडटर्म कन्वेंशन में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध की वजह से तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन के बाद ही कम होगी। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि ईरान चाहता है कि अमेरिका में कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान को) अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि चुनाव के कुछ ही दिन बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908